24 फरवरी 2024 को महात्मा गांधी परास्नातक कालेज गोरखपुर के बाटेनिकल सोसाइटी, वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में पतंजलि शोधपीठ के वैज्ञानिक डॉ उदयभान प्रजापति द्वारा "डिस्क्रिपसन लैंग्वेज ऑफ टैक्सानामी एवम फॉरेस्ट टेक्नोलॉजी " विषय पर व्याख्यान दिया गया। टैक्सानामी के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक, डेल्टा टैक्सोनामी, प्वाइंट सेंटर क्वार्टर विधि व पौधो को पहचानने के लिए प्रचलित मोबाइल एप्स के बारे में विस्तार से बताया। वन पारिस्थितिकीय अध्ययन के लिए प्वाइंट सेंटर क्वार्टर विधि के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती पूजन के साथ की गई। उक्त कार्यक्रम में प्रबंधक मनकेश्वर नाथ पाडे जी ने अपने सम्बोधन मे कहा कि छात्र- छात्राओ को अपने जीवन मे प्राप्त अवसरों का लाभ लेते हुए, जीवन मे आगे सतत बढते रहना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक सचिव डा अनीता कुमारी ने वैज्ञानिक डॉ उदयभान का शोधकार्य का संक्षिप्त विवरण दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पौधो की सटीक रुप से पहचान करने के लिए टैक्सोनामी का ज्ञान आवश्यक है। पौधो की पहचान कर उनका आर्थिक, चिकित्सकीय, मृदा संरक्षण आदि मे प्रयोग किया जा सकता है।धन्यवाद ज्ञापन प्रो अवनीश द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के आख़िर में स्मृति चिन्ह द्वारा डॉ उदयभान प्रजापति को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान के डॉ क्षमता, डॉ गौरव, डॉ शुभम एवम बड़ी संख्या मे छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ शिरकत की।

.

.

Prof. Anil Kumar Singh

.

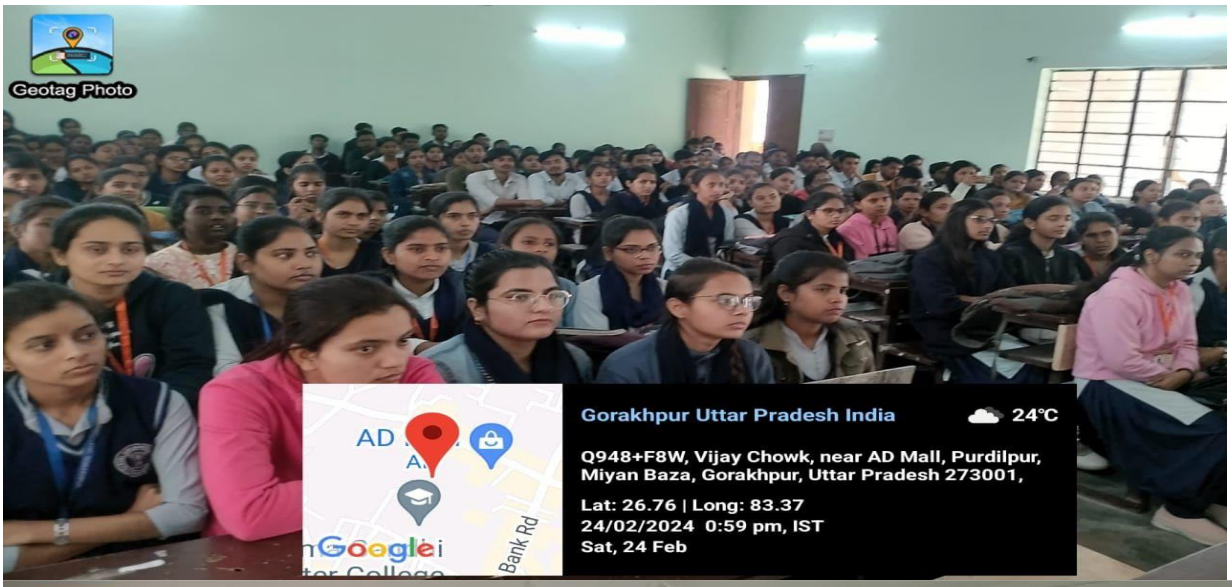
Geotag Photo
Gorakhpur Uttar Pradesh India
24°C
Q948+F8W, Vijay Chowk, near AD Mall, Purdilpur, Miyan Baza, Gorakhpur, Uttar Pradesh 273001,
Lat: 26.76 | Long: 83.37
24/02/2024 0:59 pm, IST
Sat, 24 Feb

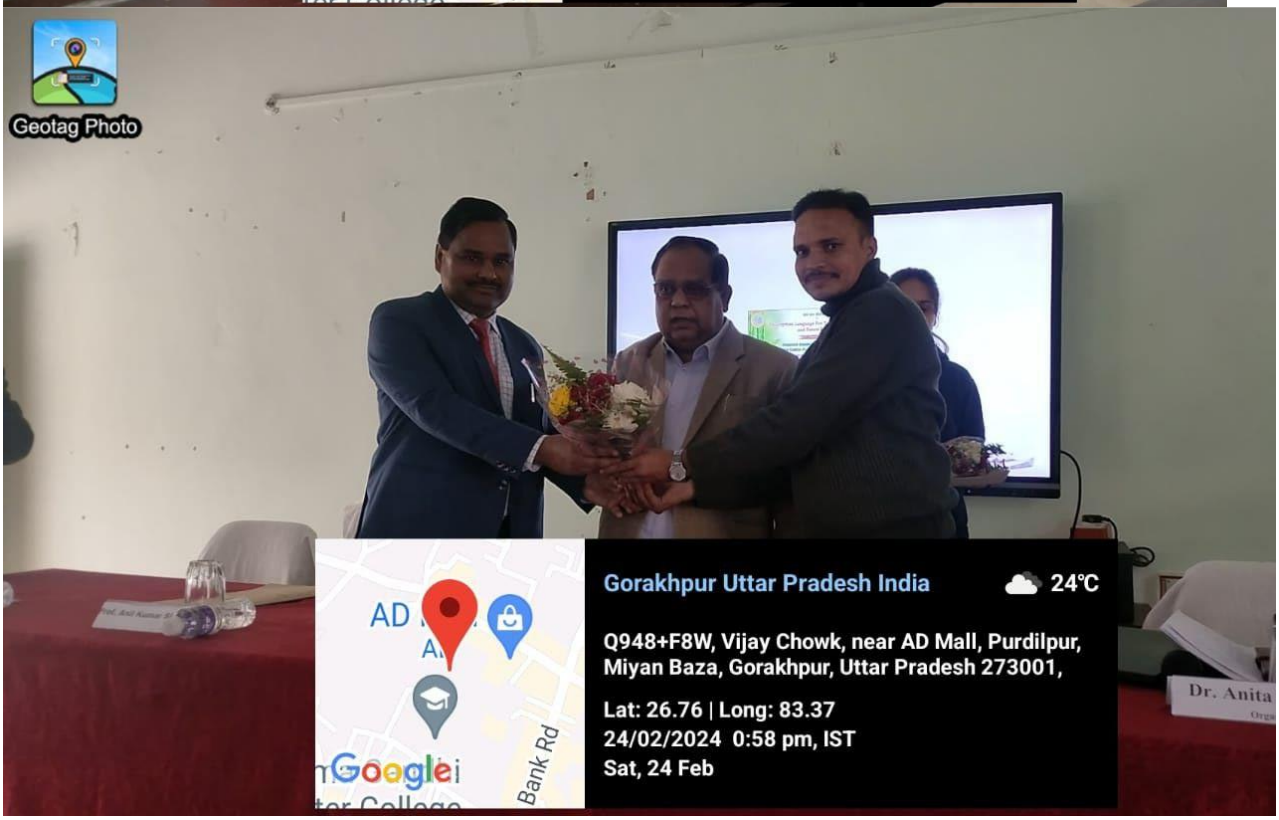
Geotag Photo
Gorakhpur Uttar Pradesh India
24°C
Q948+F8W, Vijay Chowk, near AD Mall, Purdilpur, Miyan Baza, Gorakhpur, Uttar Pradesh 273001,
Lat: 26.76 | Long: 83.37
24/02/2024 0:58 pm, IST
Sat, 24 Feb

.

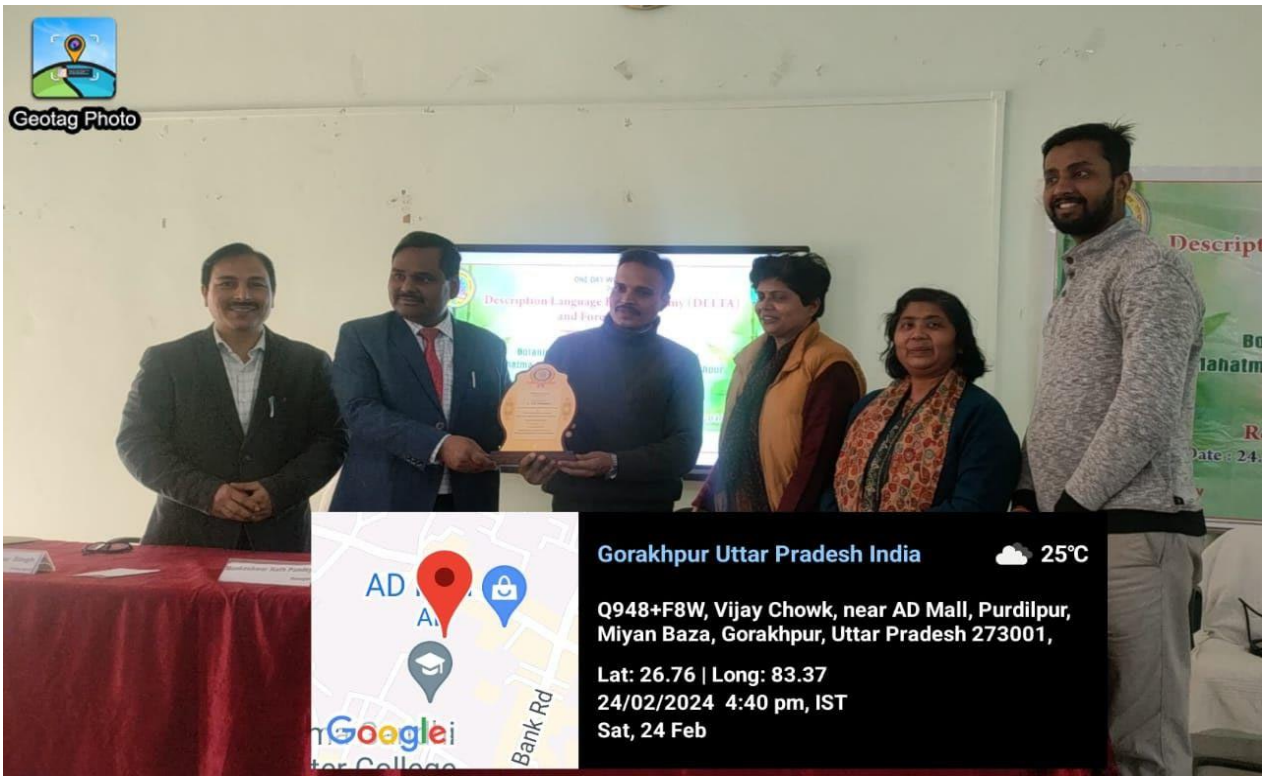

पौधों की सटीक पहचान के लिए टैक्सोनामी का ज्ञान जरूरी

गोरखपुर,२४ फरवरी। महात्मा गांधी पी जी कालेज के बाटेनिकल सोसाइटी,वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में पतंजलि शोधपीठ के वैज्ञानिक डॉ उदयभान प्रजापति द्वारा ष्डिस्क्रिपसन लैंग्वेज ऑफटैक्सानामी एवम फॉरेस्ट टेक्नोलॉजी विषय पर व्याख्यान दिया गया।टैक्सानामी के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकए डेल्टा टैक्सोनामी, प्वाइंट सेंटर क्वार्टर विधि व पौधो को पहचानने के लिए प्रचलित मोबाइल एप्स के बारे में विस्तार से बताया। वन पारिस्थितिकीय अध्ययन के लिए प्वाइंट सेंटर क्वार्टर विधि के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती पूजन के साथ की गई। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंधक मनकेश्वर नाथ पाण्डेय ने अपने सम्बोधन मे कहा कि छात्र, छात्राओ को अपने जीवन मे प्राप्त अवसरों का लाभ लेते हुए,जीवन मे आगे सतत बढते रहना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक सचिव डा अनीता कुमारी ने वैज्ञानिक डॉ उदयभान का शोधकार्य का संक्षिप्त विवरण दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पौधो की सटीक रुप से पहचान करने के लिए टैक्सोनामी का ज्ञान आवश्यक है। पौधो की पहचान कर उनका आर्थिक, चिकित्सकीय, मृदा संरक्षण आदि मे प्रयोग किया जा सकता है।धन्यवाद ज्ञापन प्रो अवनीश द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग की डॉ क्षमता, डॉ गौरव, डॉ शुभम एवम बड़ी संख्या ने छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ शिरकत की।

Gorakhp
Main
25
प्रतिस्पर्धा में यहां के छात्र आगे रहेंगे।
10 विभागों से मांगे प्रस्ताव
विश्वविद्यालय में बीटेक में
हैं लेकिन ज्यादातर लैब
आउटडेटेड हो चुके हैं या खराब
हो चुके हैं। जो ठीक भी हैं वे
बदलते समय की तकनीक के
विद्यार्थियों ने जानी पौधों को पहचानने की तकनीक
गोरखपुर। महात्मा गांधी पीजी कॉलेज में
बॉटेनिकल सोसाइटी की ओर से शनिवार
को ''डिस्क्रिपसन लैंग्वेज ऑफ टैक्सोनॉमी
एवं फॉरेस्ट टेक्नोलॉजी'' विषय पर
व्याख्यान आयोजित हुआ।
इसमें पतंजलि शोधपीठ के वैज्ञानिक डॉ.
उदयभान प्रजापति ने टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में
अत्याधुनिक तकनीक, डेल्टा टैक्सोनॉमी,
प्वाइंट सेंटर क्वार्टर विधि व पौधों को
पहचानने के लिए प्रचलित मोबाइल एप के
बारे में बताया। प्रबंधक मंकेश्वर नाथ पांडेय
ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन में
प्राप्त अवसरों का लाभ लेते हुए जीवन में
आगे सतत बढ़ते रहना चाहिए। संयोजक
सचिव डॉ. अनीता ने वैज्ञानिक डॉ. उदयभान
के शोधकार्य का विवरण दिया। संवाद
सबका साथ-सबका विकास
पहले आओ-पहले सोलर पंप पा
(वर्ष 2024-25 में)
प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभिय
(पी.एम. कुसुम) योजनान्तर्गत कृषकों को अनुदान

05:54
रहे एक व्यक्ति से लूट किया था। वही
20 फरवरी को रात्रि में रोडवेज परेड
ग्राउण्ड के पास से रेलवे स्टेशन पर
गणेश चौक, गोलघर के पास एक
गयक्ति का मोबाइल लुटा गया था।
इनपर पहले से भी कई केसदर्ज है।
छात्र-छात्राएं अपने जीवन में
अवसरों का उठाएं लाभः मनकेश्वर
स्वतंत्र चेतना
गोरखपुर। महात्मा गांधी
पी जी कालेज के बाटेनिकल
सोसाइटी, वनस्पति विज्ञान
विभाग के तत्वावधान में पतंजलि
शोधपीठ के वैज्ञानिक डॉ उदयभान
प्रजापति द्वारा डिस्क्रिपसन लैंग्वेज
ऑफ टैक्सानामी एवम फॉरेस्ट
टेक्नोलॉजी विषय पर व्याख्यान
दिया गया।टैक्सानामी के क्षेत्र
में अत्याधुनिक तकनीक, डेल्टा
टैक्सोनामी, प्वाइंट सेंटर क्वार्टर
विधि व पौधो को पहचानने के लिए
प्रचलित मोबाइल एप्स के बारे में
विस्तार से बताया।
वन पारिस्थितिकीय अध्ययन
के लिए प्वाइंट सेंटर क्वार्टर विधि
के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की
शुरूआत माँ सरस्वती पूजन के साथ
की गई।
उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय
के प्रबंधक मनकेश्वर नाथ पाडे ने
अपने सम्बोधन मे कहा कि छात्र-
छात्राओ को अपने जीवन मे प्राप्त
अवसरों का लाभ लेते हुए,जीवन
मे आगे सतत बढते रहना चाहिए।
कार्यक्रम संयोजक सचिव डा अनीता
कुमारी ने वैज्ञानिक डॉ उदयभान का
शोधकार्य का संक्षिप्त विवरण दिया।
अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रावार्य प्रो
अनिल कुमार सिंह ने बताया कि
पौधो की सटीक रुप से पहचान
करने के लिए टैक्सोनामी का ज्ञान
आवश्यक है। पौधो की पहचान कर
उनका आर्थिक, विकित्सकीय, मृदा
संरक्षण आदि मे प्रयोग किया जा
सकता है।
शिविर का हुआ आयोजन